

// शपथ //

पानी

“पानी डारेक जीव नी जरूरत छे। हूं पानी ने वेदाफिश नही अने कोइने वेदाफावा पान नही दाविश। पानी नो बचाव इतले जीवन बचाव।”

स्वच्छता

“स्वच्छता ने हूं मारो धर्मा मानिश। हूं हन्मेशा स्वच्छता ने प्रघान्या आपवानी प्रतिज्ञा लऊँ छूं।”

राष्ट्रीय एकता

“हूं राष्ट्रीय एकता माटे मारा तन , मन आने धन थी सेवा करवा तैयार छूं। एक जुट भारत सक्षम भारत।”

नो प्लास्टिक

“एक जे वार वपरातु प्लास्टिक मोत नो समान छे। एक प्लास्टिक नो वरामवार वपराश ई जीवन मंत्र।”



श्रावण ग्राहण - 23/1/2020

